गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 018
दि. 18.05.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

गुजरात को जल संसाधन के क्षेत्र में नीदरलैंड के तकनीकी सहयोग और विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से 'कल्पसर परियोजना' को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'कल्पसर प्रोजेक्ट' को मिले नीदरलैंड की तकनीक के नए पंख

गुजरात की पानी की जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी कल्पसर परियोजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान कल्पसर परियोजना के लिए तकनीकी सहयोग को लेकर आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

सरदार सरोवर बांध पर निर्भरता होगी कम, पेयजल और सिंचाई के लिए सुनिश्चित होगी जल की व्यापक उपलब्धता

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से गुजरात की महत्वाकांक्षी कल्पसर परियोजना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। नीदरलैंड के अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री श्री रॉब जेटेन के साथ नीदरलैंड की प्रसिद्ध जल प्रबंधन संरचना, 'अफस्लुइटडिज्क' का दौरा किया। उन्होंने इस बांध में इस्तेमाल की गई तकनीक को सीखने योग्य बताया। उल्लेखनीय बात यह है कि 'अफस्लुइटडिज्क' और गुजरात की कल्पसर परियोजना के बीच बहुत-सी समानताएं हैं। कल्पसर परियोजना पर तकनीकी सहयोग के लिए प्रधानमंत्री की मौजूदगी में भारत के जल शक्ति मंत्रालय और नीदरलैंड के बुनियादी ढांचा और जल प्रबंधन मंत्रालय के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इससे परियोजना का कार्य तेज रफ्तार से आगे बढ़ने के नए द्वार खुल गए हैं।

अनियमित वर्षा और सूखे की समस्या से वर्षों से जूझ रहे गुजरात को सरदार सरोवर बांध के निर्माण से राहत तो मिली है, लेकिन दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी एक परियोजना पर ही निर्भर रहना जोखिम ही कहा जा सकता है। इसीलिए, तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खंभात की खाड़ी में महत्वाकांक्षी कल्पसर परियोजना की संकल्पना की थी। हालांकि, यह परियोजना तकनीकी रूप से अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण है।

क्या है कल्पसर परियोजना

कल्पसर परियोजना के अंतर्गत खंभात की खाड़ी में एक विशाल बांध का निर्माण कर समुद्र में गिर रहीं सात नदियों के पानी का उपयोग करने की योजना है। इस योजना का उद्देश्य खंभात की खाड़ी पर मीठे पानी का एक विशाल जलाशय बनाना है, जिसमें ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन, सिंचाई और परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर का एकीकृत विकास

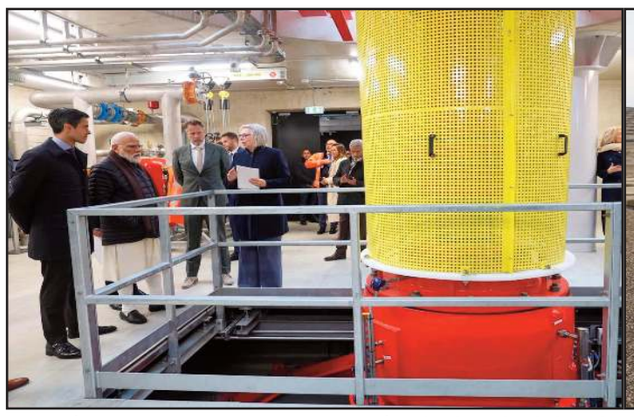

शामिल है।

वर्ष 2004 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से कल्पसर बांध की पथरेखा सुनिश्चित करने के लिए भावनगर में समुद्री सर्वेक्षण का ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया। लेकिन, योजना के बेहद जटिल होने के कारण इसे साकार करने में कई प्रकार की मुश्किलें सामने आ रही हैं। इन मुश्किलों से निपटने के लिए सरकार की ओर से लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में, 30 मार्च, 2026 को गांधीनगर में नीदरलैंड की राजदूत सुश्री मारिसा गेराड्र्स से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कल्पसर योजना को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की और 'इंडो-डच' विशेषज्ञ समूह के गठन और जी2जी भागीदारी के बारे में चर्चा की।

कल्पसर परियोजना से मिलेंगे ये लाभ

कल्पसर परियोजना के साकार होने पर सौराष्ट्र के 9 जिलों की 42 तहसीलों को लगभग 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस योजना से दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के बीच की दूरी 240 किलोमीटर से कम होकर 60 किलोमीटर रह जाएगी। इतना ही नहीं, योजना से लगभग 1500 मेगावाट पवन ऊर्जा और 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन भी होगा। योजना से पर्यटन और मत्स्य पालन का विकास भी सुनिश्चित होगा।

कल्पसर परियोजना को साकार करने के लिए समय-समय पर विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट भी तैयार की गई हैं। कल्पसर परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में सर्वाधिक महत्वपूर्ण 'क्लोजर मेथेडोलॉजी' में नीदरलैंड के समुद्री क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्व प्रसिद्ध संस्थान 'रॉयल हास्कोनिंग' ने काफी महत्वपूर्ण कार्य किया है।

क्या है 'अफस्लुइटडिज्क'

'अफस्लुइटडिज्क' नीदरलैंड ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे मशहूर इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है। यह दुनिया के लिए जल प्रबंधन का एक शानदार उदाहरण है। इसका निर्माण लगभग 80 साल पहले किया गया था। ये 32 किलोमीटर लंबा बैरियर डैम उत्तरी सागर को मीठे पानी की झील से अलग करता है। साथ ही, यह बांध नीदरलैंड के निचले इलाकों के बड़े हिस्से को भारी बाढ़ से बचाता है, यही वजह है कि इसे बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक मानक माना जाता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यह समुद्र के खारे पानी को रोककर अंदर मीठे पानी का एक बहुत बड़ा जलाशय बनाता है। 'अफस्लुइटडिज्क' परियोजना में मीठे पानी के भंडारण के अलावा जहाजरानी, परिवहन संपर्क और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री का दृढ़ संकल्प और नीदरलैंड की भागीदारी करेगी कल्पसर परियोजना को साकार

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव दीर्घकालीन और बड़े लक्ष्य लेकर आगे बढ़ते हैं। गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान उन्होंने कल्पसर परियोजना का स्वप्न देखा था। राज्य को जल संकट की स्थिति से बाहर निकालकर जल समृद्ध बनाने के संकल्प के साथ उन्होंने सरदार सरोवर बांध जैसी विराट परियोजना को धरातल पर उतारा। दशकों तक राजनीतिक और पर्यावरणीय अवरोधों का सामना कर रही सरदार सरोवर योजना को साकार करने के लिए उन्होंने अद्भुत इच्छा शक्ति और फौलादी संकल्प का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी कल्पसर योजना को लेकर शुरूआत से आशावादी रहे। तमाम प्रकार की अड़चनों के बावजूद उन्होंने इस परियोजना को साकार करने के स्वप्न को आंखों से ओझल नहीं होने दिया। जटिल इंजीनियरिंग और तकनीक की विराट चुनौतियों के कारण परियोजना में विलंब अवश्य हुआ, लेकिन हाल के नीदरलैंड दौरे के दौरान उनका जल प्रबंधन संरचना 'अफस्लुइटडिज्क' का निरीक्षण करने जाना और कल्पसर परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में भारत का नीदरलैंड के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर करना, यह बताता है कि प्रधानमंत्री कल्पसर परियोजना को लेकर कितने गंभीर और आशावादी हैं।

इस बारे में भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा बयान में कहा गया है कि यह दौरा दोनों देशों की इस साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि वे जल प्रबंधन के नवाचार, जलवायु अनुकूलन और सतत अवसंरचना के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह दौरा और कल्पसर परियोजना के लिए हुए आशय पत्र पर हस्ताक्षर से गुजरात के लिए सुनहरी संभावनाओं के नए द्वार खुल गए हैं। इसके साथ ही, नीदरलैंड अपने विश्व प्रसिद्ध 'अफस्लुइटडिज्क' डैम प्रोजेक्ट के 90 वर्षों से अधिक के प्रबंधन के अनुभव और निपुणता का लाभ भारत को देगा। यह सहयोग 29 मार्च, 2022 को दोनों देशों के बीच हुई 'जल पर भारत-डच रणनीतिक साझेदारी' पर आधारित है। बता दें कि नीदरलैंड के पास समुद्र में बांध बनाने की उच्च स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञता है, और अब गुजरात को इसी विशेषता का लाभ मिलने जा रहा है, जो राज्य की महत्वाकांक्षी कल्पसर परियोजना को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

पीएम मोदी बोले- नीदरलैंड यात्रा से द्विपक्षीय संबंध हुए मजबूत, डच समकक्ष का जताया आभार

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड दौरा पूरा कर स्वीडन रवाना हो गए हैं। उन्होंने आतिथ्य के लिए डच प्रधानमंत्री रॉब जेटेन का आभार जताया और कहा कि भविष्य में दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने अपनी नीदरलैंड यात्रा में जल प्रबंधन, तकनीक और जलवायु सहयोग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई दिशा देने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड के अब स्वीडन के लिए रवाना हो चुके हैं। इससे पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने अपने डच समकक्ष रॉब जेटेन को धन्यवाद दिया और भरोसा जताया कि दोनों देशों के संबंध आने वाले समय में मजबूत होंगे।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री ने लिखा, मेरी नीदरलैंड यात्रा ने भारत और नीदरलैंड के संबंधों को नई गति दी है। दोनों देशों

ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के साथ-साथ जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, नवाचार, रक्षा, सतत विकास और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा तैयार की है।

उन्होंने आगे कहा, मैं गर्मजोशी से स्वागत और मुझे विदाई देने के लिए व्यक्तिगत रूप से हवाई अड्डे तक आने पर प्रधानमंत्री रॉब जेटेन का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे भरोसा है कि आने वाले वर्षों में भारत और नीदरलैंड की दोस्ती और मजबूत होगी।

नीदरलैंड के अफ्सलाउटडाइक बांध का दौरा किया

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को जेटेन के साथ नीदरलैंड के प्रसिद्ध अफ्सलाउटडाइक बांध का दौरा किया। इस दौरान भारत और नीदरलैंड ने जल प्रबंधन और जलवायु के अनुकूल बुनियादी ढांचे में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

महिलाओं को पीटा, अर्धनग्न कर पहनाई चप्पलों की माला', दबंगों ने पार की हदें, केस दर्ज

मुंबई से सटे उल्हासनगर में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, यहां पर मंदिर प्रवेश के

विवाद को लेकर महिलाओं को पीटा गया, निर्वस्त्र किया गया, उनके बाल काटे गए और चप्पलों की माला पहनाकर सड़कों पर सरेआम घुमाया गया है, जिसका वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उल्हासनगर के विट्ठल वाडी इलाके में एक ही समुदाय के दो परिवारों के बीच मंदिर में प्रवेश को लेकर इस कदर झगड़ा बढ़ गया कि उन लोगों ने बर्बरता की हद पार कर दी। उन्होंने बदला लेने के लिए महिलाओं को पीटा और उन्हें सरेआम अपमानित किया।

उ.प्र. में रीलबाज पुलिसकर्मियों की अब खैर नहीं, वर्दी में ठुमके लगाए तो नपेंगे, डीजीपी के आदेश पर मुख्यालय सख्त!

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश पुलिस में 'रील्स कल्चर' और सोशल मीडिया पर वर्दी की गरिमा को ताक पर रखने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुख्यालय ने अब तक का सबसे सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस मुख्यालय ने 15 मई 2026 को एक नया और बेहद कड़ा आदेश जारी किया है। आइए जानते हैं विभाग की ओर से जारी इस नए फरमान में क्या सख्त निर्देश दिए गए हैं।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में स्पष्ट किया गया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए 'सोशल मीडिया पॉलिसी-2023' पहले से लागू है। इसके बावजूद यह देखा जा रहा है कि कई सेवारत और प्रशिक्षु पुलिसकर्मी लगातार इस पॉलिसी की धज्जियां उड़ा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर आपत्तिजनक रील और कंटेंट पोस्ट किया जा रहा है, जिससे न केवल पुलिस की छवि धूमिल हो रही है,

बल्कि सरकारी कार्यों में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

विभागीय कार्रवाई के निर्देश

नए आदेश के मुताबिक, अब सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय अध्यक्षों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे अपने अधीनस्थ जनपदों और इकाइयों में ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान करें जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। आदेश में साफ कहा गया है कि रील बनाने वाले या आपत्तिजनक सामग्री डालने वाले कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध तत्काल आवश्यक विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब सिर्फ चेतावनी से काम नहीं चलेगा, बल्कि कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

URL और स्क्रीनशॉट रखना अनिवार्य

पुलिस मुख्यालय ने तकनीकी स्तर पर भी तैयारी पुख्ता कर ली है। अब प्रत्येक माह एक निर्धारित प्रोफॉर्म के अनुसार रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसमें सोशल मीडिया पॉलिसी तोड़ने वाले पुलिसकर्मी के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी होगी। साथ ही, साक्ष्य के रूप में उस आपत्तिजनक पोस्ट का स्क्रीनशॉट और उसका वफ्छ भी सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि विभागीय जांच के दौरान आरोपी कर्मी मुकर न सके।

DGP की मंजूरी के बाद एक्शन मोड में पुलिस

यह कड़ा आदेश पुलिस महानिदेशक (DGP) उत्तर प्रदेश के अनुमोदन के उपरांत जारी किया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अब वर्दी पहनकर ठुमके लगाने, रील बनाने या विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा। एडीजी अमिताभ यश के इस आदेश के बाद महकमे में हड़कंप मच गया है, क्योंकि अब हर हरकत पर मुख्यालय की सीधी नजर है।

48 घंटे में 115 डीएसपी अधिकारियों का तबादला, किसे मिली कहां की जिम्मेदारी?

(जीएनएस)।

बिहार में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। गृह विभाग की ओर से लगातार दूसरे दिन बड़ी संख्या में डीएसपी अधिकारियों का तबादला और नई जगहों पर पदस्थापन किया गया। शुक्रवार को जारी नई सूची में 54 पुलिस उपाधीक्षकों (DSP) के नाम शामिल हैं।

इससे एक दिन पहले 61 अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया था। यानी सिर्फ 48 घंटे के भीतर कुल 115 डीएसपी अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदल दिए गए हैं। इतने बड़े स्तर पर हुए फेरबदल के बाद पुलिस महकमे और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सरकार का मानना है कि नए अधिकारियों की तैनाती से जिलों में कानून-व्यवस्था बेहतर होगी और अपराध नियंत्रण को मजबूती मिलेगी। खास बात यह है कि इस बार युवा और तकनीकी जानकारी रखने वाले अधिकारियों को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं।

दो दिन में 115 DSP बदले

गृह विभाग ने पहले चरण में 15 मई को 61 डीएसपी अधिकारियों का तबादला किया था। इन अधिकारियों को अलग-अलग जिलों और रेल पुलिस में भेजा गया। इस सूची का मुख्य उद्देश्य जिला पुलिसिंग और स्थानीय कानून-व्यवस्था को मजबूत करना था।

इसके अगले ही दिन 16 मई को दूसरी सूची जारी की गई, जिसमें 54 और अधिकारियों के नाम शामिल किए गए। इस बार 64वीं, 65वीं और 66वीं बैच के युवा अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सरकार ने कई जिलों में नए चेहरों को मौका देकर पुलिस व्यवस्था में तेजी लाने की कोशिश की है।

साइबर अपराध पर सरकार का फोकस

राज्य में बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए सरकार ने तकनीकी समझ रखने वाले अधिकारियों को साइबर क्राइम विंग में तैनात किया है। नवादा, गया, जमुई और कटिहार जैसे जिलों में साइबर अपराध शाखा को मजबूत किया गया है।

शाहनवाज अख्तर को नवादा का साइबर क्राइम डीएसपी बनाया गया है। वहीं अब्दुर रहमान दानिश को गया में साइबर अपराध शाखा की जिम्मेदारी मिली है। अभिषेक कुमार को जमुई में साइबर क्राइम डीएसपी के पद पर तैनात किया गया है। सरकार का मानना है कि डिजिटल फ्रॉड और ऑनलाइन अपराध पर रोक लगाने के लिए विशेषज्ञ अधिकारियों की जरूरत है।

कई SDPO भी बदले गए

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों यानी SDPO स्तर पर भी बड़ा फेरबदल किया गया है। कई जिलों में नए अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर स्थानीय स्तर पर अपराध नियंत्रण को तेज करने की तैयारी की गई है।

केरला में राज्य सरकार के गठन में किसे मिली जगह? कौन हैं वो 20 एमएलए, जो बनेंगे मंत्री, मुस्लिम लीग को भी 5 पद

(जीएनएस)।

केरल की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर चल रहा सस्पेंस अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। रविवार को मनोनीत मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने राज्यपाल से मुलाकात कर अपने मंत्रियों की अंतिम सूची सौंप दी है। सोमवार सुबह 10 बजे होने वाले इस शपथ

ग्रहण समारोह के साथ ही केरल में एक नया इतिहास बनने जा रहा है।

करीब छह दशकों यानी 60 साल बाद ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का पूरा का पूरा मंत्रिमंडल एक साथ पद और गोपनीयता की शपथ लेने जा रहा है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के साथ कुल 20 और नेता मंत्री पद की शपथ लेंगे, यानी कैबिनेट का कुल आंकड़ा 21 मंत्रियों का होगा। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों में से किसे इस नई सरकार में मलाईदार जगह मिली है और इसके पीछे का राजनीतिक समीकरण क्या है।

कांग्रेस के कोटे में सबसे ज्यादा सीटें: चेन्निथला और मुरलीधरन की हुई एंट्री

केरल की इस नई सरकार में सबसे बड़ा हिस्सा उम्मीद के मुताबिक कांग्रेस पार्टी के पास ही रहा है। पार्टी हाईकमान की हरी झंडी मिलने के बाद तय की गई इस लिस्ट में अनुभवी चेहरों और युवाओं का मिश्रण देखने को मिल रहा है। दिग्गज नेताओं की वापसी: कांग्रेस के कोटे से सबसे बड़े नामों में रमेश चेन्निथला और के मुरलीधरन शामिल हैं, जिन्हें कैबिनेट में बेहद अहम विभागों की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस (KPCC) के अध्यक्ष सनी जोसेफ को भी टीम में जगह दी गई है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान यदि आतंक नीति नहीं बदलता है तो होगा तबाह

एक जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान सरकार अगले वर्ष यानि 2026-27 के बजट में 100 अरब पाकिस्तानी रुपए की वृद्धि करने पर विचार कर रही है जबकि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थि सुधार कार्यंव्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रहा है। इसका मतलब कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ बड़ी युद्ध की तैयारी में है। पाकिस्तान अकेले भारत ही नहीं अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है किन्तु जिस तरह भारत आपरेशन सिन्दूर-2 करने की बारबार चेतावनी पाकिस्तान को देता है, उससे उनकी फौज की मीडिया में आए दिन फजीहत होती है। दरअसल मिलिट्री बैलेंस पर नजर डालें तो पाकिस्तान भारत के सामने कहीं नहीं टिकता किन्तु जब कभी भी युद्ध होता है तो निश्चित रूप विकास का पहिया या तो पटरी से उतर जाती है या फिर उसकी गति धीमी हो जाता है। आपरेशन सिन्दूर में सैन्य नेतृत्व को जब अपना लक्ष्य हासिल हो गया तो वह आगे युद्ध करने की किसी तरह की योजना आगे नहीं बढ़ाना चाहता था किन्तु जब पाकिस्तान ने 7 मई को जेहादी ठिकानों पर हुए हमले को अपने सैन्य ठिकानों पर हमला मानकर प्रतिकार किया तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया जिसके तहत उसके 9 एयरपोर्ट तबाह हो गए। पाकिस्तान की पहल पर 10 मई को दोनों देशों ने युद्ध विराम करके साबित कर दिया कि युद्ध कोई भी नहीं चाहता था। भारत ने तो मात्र उन आतंकी ठिकानों पर हमले किए जो हमारी देश की सुरक्षा के लिए खतरे बने हुए थे और पहलगाम नरसंहार के बाद पूरा देश उन आतंकियों के खिलाफ आव्रोशित था। भारत ने पाकिस्तान के किसी भूभाग पर आधिपत्‍ जमाने के उद्देश्य से हमला नहीं किया था। भारत हमेशा पाकिस्तान को इस बात की चेतावनी देता रहता है कि वह यदि दोबारा कोई आतंकी हमला करता है तो उसे भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख ने तो कई बार पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि उसकी परमाणु हमले की धौंस से कोई नहीं डरता। यदि भारत पर कोई आतंकी हमला हुआ तो उसे स्टेट ऐक्टर का एक्ट आफ वार मानकर प्रतिकार किय्‍ जाएगा। शनिवार को सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नई दिल्ली स्थित मानेकाशा सेंटर में यूनिफार्म अनबील्ड द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र सेना प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में दो टूक कहा कि "यदि आपने मुझे पहले सुना है तो मैंने यही कहा है कि पाकिस्तान अगर आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है तो उसे त करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा रहना चाहता है या इतिहास का।" इससे एक बात तो बड़ी स्पष्ट है कि भारत पाकिस्तान के प्रति बिल्वुल नरमी बरतने वाला नहीं है। भारत ने भी अपने डिपेंस सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसके तहत एस-400 हासिल किया तथा पाकिस्तान पर हमले के लिए ब्र१ोस जैसी मिसाइलों की व्यवस्था कर रहा है। इसी तरह मित्र देशों से तमाम उपकरणों को सीमा एवं रक्ष ठिकानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात कर दिया है जिनसे पाकिस्तान की हर गतिविधि पर गहरी एवं पैनी नजर रखी जा रही है। बहरहाल भारत की तरफ से पाकिस्तान को मिल रही इन्हीं चेतावनी के कारण वहां के सैनिक शासकों को लग रहा है कि यही सही वक्त कि रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर देनी चाहिए। पाकिस्तान की मुद्रास्फीति 10.9 प्रतिशत पहुंच गई है। यानि महंगाई खूंटा तोड़ कर भाग रही है बैलेंस आफ पेमेण्ट के लिए विदेशी मुद्रा के लिए ठन-ठन गोपाल हैं। दूसरे देश पैसे लेकर अपने रिजर्व बैंक में गारंटी के रूप में रखे हैं। सरकारी प्रतिष्ठान गिरवी हैं किन्तु पाकिस्तान की जेहादी आमी भारत के खिलाफ आतंकिय्‍ को अनुदान देकर अपनी चौथी यानि जेहादी विंग बनाए रखने की जिद पर अड़ा हुआ है। उसे जनता के दुःख दर्द से कोई वास्ता नहीं वह तो चाहते कि भारत के साथ तनाव बढ़ेगा तो भीख में मिले पैसों से रक्षा बजट बढ़ाय्‍ जाएगा। रक्षा बजट बढ़ने से एक तरफ पाक जनता को सेना मूर्ख बना सकेगी अब वह भारत की तरफ से होने वाले हमलों को रोक पाएगा तथा

डॉलर के आगे बेबस रुपया! एशिया की सबसे कमजोर मुद्राओं में शामिल, कमजोर करेंसी बनने के पीछे के 3 बड़े कारण

(जीएनएस)।

भारत का रुपया इस समय सिर्फ डॉलर के मुकाबले कमजोर नहीं हो रहा, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था पर बढ़ते कई दबावों का संकेत भी दे रहा है। एशिया की प्रमुख मुद्राओं में भारतीय रुपया सबसे खराब प्रदर्शन करने वालों में शामिल हो गया है। डॉलर के मुकाबले इसमें करीब 6.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब दुनिया पहले से ही युद्ध जैसे हालात, महंगे कच्चे तेल और कमजोर वैश्विक निवेश माहौल से जूझ रही है। आर्थिक जानकार मानते हैं कि यह केवल मुद्रा बाजार की हलचल नहीं, बल्कि आने वाले महीनों में महंगाई, आयात लागत और आम लोगों के खर्च पर असर डालने वाला बड़ा संकेत हो सकता है।

आखिर रुपया इतना कमजोर क्यों हो रहा है?

रुपये पर दबाव की सबसे बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मानी जा रही हैं। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। जब तेल महंगा होता है तो भारत को ज्यादा डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होने लगता है।

इसके साथ ही दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ता तनाव भी निवेशकों को सुरक्षित बाजारों की तरफ धकेल रहा है। ऐसे माहौल में निवेशक अमेरिका जैसे देशों की तरफ ज्यादा पैसा भेजते हैं, जिससे डॉलर मजबूत होता है और उभरते देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ जाता है।

एशियाई मुद्राओं का प्रदर्शन

	मुद्रा	देश	प्रदर्शन
1	भारतीय रुपया (INR)	भारत	-6.10%
2	इंडोनेशियाई रुपिया (IDR)	इंडोनेशिया	-3.40%
3	वियतनामी डोंग (VND)	वियतनाम	-2.80%
4	थाई बाहत (THB)	थाईलैंड	-1.20%
5	चीनी युआन (CNY)	चीन	0.004
6	जापानी येन (JPY)	जापान	0.008
7	मलेशियाई रिंगिट (MYR)	मलेशिया	0.021

विदेशी निवेशकों की दूरी क्यों चिंता बढ़ा रही?

पिछले कुछ समय में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से लगातार पैसा निकाला है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का सीधा असर रुपये पर पड़ा है। जब निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बेचते हैं तो वे रुपये को डॉलर में बदलते हैं। इससे डॉलर की मांग तेजी से बढ़ती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका भी इसका एक बड़ा कारण है। निवेशकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर और सुरक्षित रिटर्न दिख रहा है, इसलिए भारत जैसे बाजारों से पैसा बाहर जा रहा है।

एशिया में बाकी मुद्राओं का हाल क्या कहता है?

भारतीय रुपया अकेला दबाव में नहीं है, लेकिन इसकी गिरावट कई एशियाई देशों से ज्यादा रही है। इंडोनेशियाई रुपिया में करीब 3.4 प्रतिशत और वियतनामी डोंग में 2.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। थाई बाहत भी कमजोर हुआ, लेकिन उसकी गिरावट सिर्फ 1.2 प्रतिशत रही।

दिलचस्प बात यह है कि चीन, जापान और मलेशिया की मुद्राओं ने मजबूती दिखाई। चीनी युआन में 0.4 प्रतिशत, जापानी येन में 0.8 प्रतिशत और मलेशियाई रिंगिट में 2.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। इससे साफ है कि एशिया के सभी देश एक जैसी स्थिति में नहीं हैं और निवेशकों का भरोसा अलग-अलग देशों में अलग तरीके से दिख रहा है।

आम लोगों पर क्या असर पड़ सकता है?

रुपये की कमजोरी का सबसे बड़ा असर आयात पर पड़ता है। भारत विदेशों से तेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनें और कई जरूरी उत्पाद खरीदता है। रुपया कमजोर होने का मतलब है कि इन चीजों को खरीदने में ज्यादा पैसा खर्च होगा।

अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रांसपोर्ट महंगा होने से खाने-पीने की चीजों और रोजमर्रा के सामान की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों और विदेशी यात्रा करने वालों का खर्च भी बढ़ सकता है।

क्या रिजर्व बैंक के सामने चुनौती बढ़ रही है?

रुपये की गिरावट को रोकना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं माना जा रहा। अगर केंद्रीय बैंक बाजार में डॉलर बेचकर रुपये को सहारा देता है तो विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ सकता है। वहीं ब्याज दरों में बदलाव का फैसला भी काफी सावधानी से लेना होगा, क्योंकि इसका असर सीधे आर्थिक विकास पर पड़ता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती बाजार में भरोसा बनाए रखना है। अगर वैश्विक हालात सुधरते हैं और विदेशी निवेशकों की वापसी होती है तो रुपये को राहत मिल सकती है। लेकिन अगर तेल की कीमतें और बढ़ती हैं या दुनिया में तनाव गहराता है तो भारतीय मुद्रा पर दबाव और बढ़ सकता है।

विजय के चुनाव जीतने के बाद स्टालिन से क्यों मिले थे रजनीकांत? आरोपों पर अब सुपरस्टार ने तोड़ी चुप्पी

(जीएनएस)।

तमिलनाडु की राजनीति इस समय सिर्फ सत्ता परिवर्तन की वजह से नहीं, बल्कि फिल्मी सितारों की बयानबाजी और राजनीतिक समीकरणों की वजह से भी सुर्खियों में है। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत ने अभिनेता और तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय को लेकर चल रही चर्चाओं पर खुलकर जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर आरोप लगाए जा रहे थे कि रजनीकांत विजय के सीएम बनने से जल रहे हैं। अब विजय ने उसपर जवाब दिया है।

रजनीकांत ने साफ कहा कि वह विजय से किसी तरह की जलन नहीं रखते। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्होंने 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा होता, तो वे चुनाव जीत सकते थे। इसके साथ ही उन्होंने डीएमके नेता एमके स्टालिन से अपनी मुलाकात को लेकर भी सफाई दी।

'विजय मुझसे 25 साल छोटे हैं'

विजय को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी रजनीकांत ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि वह विजय से जलते हैं, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। रजनीकांत ने कहा कि विजय उनसे लगभग 25 साल जूनियर हैं और वह उनके खिलाफ नहीं हैं।

रजनीकांत बोले, "मैंने सुना कि कुछ लोग ये बोल रहे हैं कि मैं विजय से जलता हूं। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। वो मेरे से 25 साल जूनियर हैं। मैं अगर 2021 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ता तो जीत जाता।"

उन्होंने यह भी माना कि तमिलनाडु की राजनीति में अब बदलाव की मांग लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने पिछले 60 सालों में डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को मौका दिया है। ऐसे में लोग शायद एक नए विकल्प की तरफ देख रहे थे।

स्टालिन से मुलाकात पर क्यों उठे सवाल?

तमिलनाडु चुनाव नतीजों के बाद 4 मई को रजनीकांत ने स्टालिन के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोगों ने दावा किया कि रजनीकांत नहीं चाहते कि विजय राज्य की राजनीति में मजबूत हों या मुख्यमंत्री के तौर पर सफल हों।

इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए रजनीकांत ने कहा कि उनकी और स्टालिन की दोस्ती आज की नहीं, बल्कि करीब 30 साल पुरानी है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात को राजनीति से जोड़ना गलत है। रजनीकांत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह राजनीति के लिए किसी भी स्तर तक नहीं गिर सकते। उनके मुताबिक व्यक्तिगत रिश्तों को राजनीतिक नजर से देखना ठीक नहीं है।

'2021 में चुनाव लड़ता तो जीत जाता'

रजनीकांत का सबसे बड़ा बयान तब आया, जब उन्होंने 2021 के चुनाव को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर वह उस समय चुनाव मैदान में उतरते, तो जीत सकते थे।हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि राजनीति बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और सिर्फ लोकप्रियता के आधार पर फैसले नहीं लिए जा सकते।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब तमिलनाडु में फिल्मी सितारों की राजनीति को लेकर फिर चर्चा तेज हो गई है। विजय की जीत के बाद अब लोग रजनीकांत की संभावित राजनीतिक भूमिका पर भी सवाल उठा रहे हैं।

सीएम बनने के बाद विजय के बड़े फैसले

मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद विजय सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनकी पूरे राज्य में चर्चा हो रही है।

200 यूनिट फ्री बिजली

विजय सरकार ने उन घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का फैसला किया है, जिनकी खपत हर दो महीने में 500 यूनिट तक रहती है। यह उनकी पार्टी ळें' शी३३१ डं९ँ का प्रमुख चुनावी वादा था। माना जा रहा है कि इससे करोड़ों परिवारों को राहत मिलेगी।

हर जिले में एंटी-ड्रग टास्क फोर्स

सरकार ने राज्य के सभी जिलों में एंटी-ड्रग टास्क फोर्स बनाने का फैसला लिया है। इसका उद्देश्य नशीले पदार्थों की तस्करी और उपयोग पर रोक लगाना है। इसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से होगी।

महिलाओं के लिए 'सिंगप्पेन' यूनिट

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स' बनाई जाएगी। इसका काम महिला अपराधों पर तेजी से कार्रवाई करना और शिकायतों का जल्द निपटारा करना होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2019 से 2024 के बीच तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में करीब 40 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी।

717 शराब की दुकानें बंद होंगी

विजय सरकार ने धार्मिक स्थलों, स्कूलों और बस स्टैंड के आसपास स्थित 717 सरकारी शराब दुकानों को बंद करने का फैसला लिया है।राज्य में कुल 4,765 सरकारी शराब दुकानें हैं, जिनमें से सैकड़ों संवेदनशील इलाकों के पास संचालित हो रही थीं।

AIADMK में बढ़ा संकट

तमिलनाडु की राजनीति में इस समय सिर्फ नई सरकार ही चर्चा में नहीं है, बल्कि AIADMK के अंदर बढ़ता विवाद भी सुर्खियों में है। पार्टी दो गुटों में बंटी दिखाई दे रही है। एक तरफ एस्रिस्र्र्र् डि. ढं'ल्ल२ढ्रं का गुट है, जबकि दूसरी तरफ षणमुगम और वेलुमणि समर्थक नेता सक्रिय हैं।

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान एआईएडीएमके के 25 विधायकों ने विजय सरकार के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की। इसके बाद पलानीस्वामी ने बागी नेताओं को पार्टी पदों से हटा दिया और दलबदल कानून के तहत कार्रवाई की मांग की। चेन्नई में पार्टी मुख्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि आने वाले दिनों में तमिलनाडु की राजनीति और ज्यादा दिलचस्प हो सकती है।

ऋषभ पंत से टेस्ट उप-कप्तानी छीनने की हो गई तैयारी, किस वजह से BCCI लेने जा रहा बड़ा फैसला

अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट और वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन से काफी चर्चा होने की उम्मीद है, खासकर रेड-बॉल प्रारूप में उप-कप्तान के रूप में ऋषभ पंत की भूमिका को लेकर बातें हो रही हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता मंगलवार को गुवाहाटी में टीमों को अंतिम रूप देने के लिए मिलेंगे। पंत की नेतृत्व क्षमता पर चिंताएं जताई गई हैं, खासकर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ उनके कार्यकाल और पिछले नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच के दौरान उनके प्रदर्शन के बाद सवाल उठे हैं।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने संकेत दिया कि पंत की अतिरिक्त जिम्मेदारियां बल्लेबाजी करते समय उनके निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। चयन समिति कथित तौर पर उनकी बल्लेबाजी क्षमता को अधिकतम करने के लिए उन्हें नेतृत्व के बोझ के बिना खेलने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। पंत का वर्तमान फॉर्म वनडे सेटअप में दूसरे विकेटकीपर के रूप में उनकी स्थिति के बारे में भी सवाल खड़े करता है, जिसमें ध्रुव जुरेल, संजू सैमसन और ईशान किशन से प्रतिस्पर्धा है।

जसप्रीत बुमराह की श्रृंखला में भागीदारी बीसीसीआई की मेडिकल टीम द्वारा उनके कार्यभार के आकलन पर निर्भर करेगी। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेल सकते हैं, लेकिन मौजूदा आईपीएल के दौरान उनकी प्रतिबद्धताओं के कारण वनडे श्रृंखला को छोड़ देंगे। उनके कार्यभार संबंधी किसी भी चिंता के परिणामस्वरूप उन्हें पूरी श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा।

उभरती प्रतिभा और चयन पर विचार

इस आईपीएल सीजन में भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे आगे रहे प्रिंस यादव को श्रीलंका में त्रिकोणीय लिस्ट ए श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया है। यह निर्णय बताता है कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला में शामिल होने के प्रबल दावेदार हैं। इस बीच, सूर्यकुमार यादव का राष्ट्रीय कप्तान के रूप में भविष्य उनके हालिया प्रदर्शन के कारण सवालों के दायरे में है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की इनपुट सूर्यकुमार की भविष्य की भूमिका निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगी।

चयन समिति सूर्या को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ नेतृत्व का मौका देने पर विचार कर सकती है, अंतिम निर्णय लेने से पहले उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकती है। हालांकि, इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि चयनकर्ता इस दृष्टिकोण को अपनाएंगे।

8 गेंद की कीमत 18 करोड़! 1 गेंद पर खर्च हुए 2.25 करोड़? केकेआर के खिलाड़ी ने शाहरुख खान को पहुंचाया तगड़ा नुकसान

(जीएनएस)।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने भले ही गुजरात टाइटंस को 29 रनों से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा हो, लेकिन ड्रेसिंग रूम के लिए एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। टीम ने जिस खिलाड़ी की मैच फिटनेस के लिए हफ्तों इंतजार किया, वह अपने डेब्यू मैच में सिर्फ 8 गेंदें फेंककर दोबारा चोटिल हो गया।

मथीशा पथिराना सिर्फ फेंक पाए 8 गेंद

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का केकेआर के लिए सफर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से शुरू हुआ है। जिसके बाद फ्रेंचाइजी के'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट पर सवाल उठने लगे हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ करो या मरो के इस मुकाबले में केकेआर ने

अपनी गेंदबाजी को धार देने के लिए पाथिराना को प्लेइंग-क में शामिल किया था। लेकिन उनका यह डेब्यू मैच एक झटके में बुरे सपने में बदल गया।

केकेआर ने दिए हैं 18 करोड़ रुपये

पाथिराना अपने स्पेल के केवल 1.2 ओवर (यानी कुल 8 गेंदें) ही फेंक पाए थे कि उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी (मांसपेशियों में खिंचाव) हो गई। दर्द के कारण वे अपना ओवर भी पूरा नहीं कर सके और उन्हें तुरंत मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने चेन्नई सुपर किंग्स से रिलीज हुए पाथिराना पर 18 करोड़ रुपये की भारी-भरकम बोली लगाई थी।

केकेआर को फैंस कर रहे हैं ट्रोल

हालांकि, सीजन शुरू होने से ठीक पहले वे चोटिल हो गए। चोट से उबरने के बाद उन्हें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (SLC) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मिलने में लंबा वक्त लगा। जब एनओसी मिली, तो टीम मैनेजमेंट ने उन्हें सही मौके के लिए बेंच पर बिठाकर रखा। अब जब टूनामेंट के सबसे निर्णायक मोड़ पर उन्हें मैदान पर

बेतहाशा खूबसूरत हसीना के प्यार में पड़े तिलक वर्मा? सूर्यकुमार यादव ने मजाकिया लहजे में खोली पोल!

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेलुगु एक्ट्रेस श्रीलीला इन दिनों सोशल मीडिया पर पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। इंटरनेट पर दोनों के डेटिंग की अफवाहें तब दोबारा गर्म हो गई है। दरअसल, भारतीय टीम के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, खबरें फैलने के बाद वीडियो को फिलहाल डिलीट कर दिया गया है।

पुराना वीडियो हो रहा वायरल

इंस्टाग्राम और एक्स पर वायरल हो रहे इस वीडियो के आधार पर फैंस दोनों के बीच निजी रिश्ते होने के कयास लगा रहे हैं। हालांकि, इस पूरे मामले पर न तो क्रिकेटर तिलक वर्मा और न ही एक्ट्रेस श्रीलीला की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। वायरल क्लिप में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा कानों में ईयरफोन लगाए एक होटल की लॉबी से गुजरते दिख रहे हैं।

सूर्यकुमार ने खोली पोल

इसी दौरान पीछे से सूर्यकुमार यादव मजाकिया लहजे में उन पर फब्ती कसते हुए कहते हैं कि तिलक प्यार में हैं। सूर्यकुमार ने वीडियो में किसी का नाम नहीं लिया और यह पूरी तरह से टीम के साथियों के बीच होने वाली सामान्य खिंचाई लग रही थी। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने इस हल्के-फुल्के पल को तुरंत एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ जोड़कर देखना शुरू कर दिया।

ऐसे शुरू हुआ अफवाहों का सिलसिला?

तिलक और श्रीलीला के बीच लिंक-अप की बातें आईपीएल 2026 सीजन के दौरान शुरू हुई थीं। इसके पीछे मुख्य रूप से दो वजहें बताई जा रही हैं। आईपीएल के दौरान धर्मशाला में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में श्रीलीला की मां डॉ. स्वर्णलता को स्टेडियम में देखा गया था। इसके बाद इंटरनेट पर फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि क्या इस उपस्थिति का कोई कनेक्शन है।

सोशल मीडिया पर हो रहे हैं कई तरह के दावे

सोशल मीडिया पर कुछ दावों में कहा गया कि श्रीलीला की टीम के किसी सदस्य को तिलक नाम लिखी जर्सी पहने देखा गया था। हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अफवाहें बढ़ने के बाद अब कुछ यूजर्स दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि दोनों ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है।

विराट कोहली का महारिकॉर्ड, धर्मशाला में बनाया ऐसा डबल कीर्तिमान जो 18 साल में कोई नहीं बना पाया

(जीएनएस)।

विराट कोहली जब क्रीज पर उतरते हैं, तो रिकॉर्ड बुक के पन्ने अपने आप पलटने लगते हैं। पंजाब किंग्स (ढइङर) के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली ने मैदान पर कदम रखते ही एक ऐसा महारिकॉर्ड अपने नाम कर लिया, जो आईपीएल के 18 साल के इतिहास में आज तक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं कर सका।

इस सीजन अपनी धाकड़ फॉर्म में चल रहे कोहली ने कई कीर्तिमान अपने नाम किए हैं और आज भी कुछ वही हुआ है. पंजाब के खिलाफ 16 रन बनाते ही उन्होंने इस सीजन 500 रनों का आंकड़ा हासिल कर लिया. यह आंकड़ा इसलिए खास है क्योंकि इसी में एक महारिकॉर्ड शामिल है।

सबसे ज्यादा बार 500 रन

अगर आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें, तो इस फेहरिस्त में किंग कोहली अब सबसे टॉप पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर में रिकॉर्ड 9 बार यह कारनामा किया है।

उनके बाद इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डेविड वॉर्नर और भारतीय स्टार केएल राहुल का नाम आता है, जिन्होंने 7-7 बार एक सीजन में 500 का आंकड़ा पार किया है। वहीं शिखर धवन भी अपने आईपीएल करियर में 5 बार इस जादुई आंकड़े तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

एक मैच में डबल रिकॉर्ड

इस मुकाबले में विराट ने सिर्फ 500 रनों का सीजन ही पूरा नहीं किया, बल्कि आईपीएल इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का ऑल-टाइम रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स (PBKS) के खिलाफ खेलते हुए कोहली के अब 1200 से ज्यादा रन हो गए हैं, जो कि आईपीएल में किसी भी एक विरोधी टीम के खिलाफ किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। धर्मशाला में वह 37 गेंदों में 58 रन बना आउट हो गए।

दिलचस्प बात यह है कि इस लिस्ट के टॉप-5 में 4 जगहों पर अकेले विराट कोहली का ही राज है. उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 1174 रन, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 1126 रन ठोके हैं। इस मामले में रोहित शर्मा (केकेआरके खिलाफ 1161 रन) और डेविड वॉर्नर (पंजाब किंग्स के खिलाफ 1134 रन) भी किंग कोहली से पीछे छूट गए हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

यूपी में अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय बढ़कर हुआ 17 हजार, लोकभवन में सीएम योगी ने वितरित किए चेक

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा संवेदनशील या छुईमुई बनाने के बजाय उन्हें मजबूत, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चे स्कूल में स्वच्छता या अन्य जिम्मेदारी वाले कार्यों में सहयोग करते हैं तो उसे नकारात्मक रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

बच्चों में अनुशासन, जिम्मेदारी और श्रम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक बच्चों को स्वच्छता जैसे कार्यों से जोड़ता है तो उसे दंडित करने के बजाय सम्मानित किया जाना चाहिए।

रविवार को लोकभवन सभागार में आयोजित 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने अंशकालिक अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक भी वितरित किया।

बताया कि वर्ष 2011-12 में छह से 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 41,307 अंशकालिक अनुदेशकों की नियुक्ति की गई थी। उस समय सात हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय था। वर्तमान में 24,296 अनुदेशक सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 2011-12 से 2022 तक मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई।

वर्ष 2019 में अनुदेशक महासंघ के साथ बैठक में इस पर चर्चा हुई थी, लेकिन चुनाव अधिसूचना के कारण निर्णय नहीं हो सका। वर्ष 2022 में सरकार ने दो हजार रुपये की वृद्धि की थी, लेकिन अब मानदेय बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

साथ ही अनुदेशकों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुविधा भी दी गई। निर्देश दिया कि बेसिक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर जल्द पंजीकरण कराएं ताकि अगले सप्ताह स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा सकें। कहा कि कई स्कूलों में छात्र संख्या कम होने के कारण अनुदेशकों की सेवाएं समाप्त करने के प्रस्ताव आए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें अस्वीकार कर 'स्कूल चलो अभियान' और 'आपरेशन कायाकल्प' शुरू किया।

आज 96 प्रतिशत विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्रॉपआउट दर 17-18 प्रतिशत से घटकर लगभग तीन प्रतिशत रह गई है और लक्ष्य इसे शून्य तक पहुंचाने का है। सरकार बच्चों को यूनिफार्म, जूते-मोजे, स्वेटर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

अभिभावकों के खातों में सीधे धनराशि भेजी जा रही है और पुस्तकें भी समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। श्रमिकों और निराश्रित बच्चों के लिए 18 अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जहां 18 हजार बच्चों के रहने और पढ़ने की व्यवस्था है। इसी तर्ज पर हर जिले में दो-दो मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को 12वीं तक अपग्रेड किया जा रहा है और सभी 825 विकासखंडों में नए विद्यालयों के लिए धनराशि जारी कर दी गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने विभाग की उपलब्धियां गिनाईं, जबकि कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि अनुदेशकों की लंबे समय से चली आ रही मानदेय बढ़ाने की मांग अब पूरी हो गई है।

कार्यक्रम में समग्र प्रगति पत्र का विमोचन भी किया गया। विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, विधायक नीरज बोरा व अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

बुके नहीं, बुक से सम्मान

बेसिक शिक्षा विभाग ने समारोह में पारंपरिक बुके की जगह पुस्तकों को सम्मान का माध्यम बनाकर एक नई और प्रेरक पहल की। मुख्यमंत्री को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कृति रश्मिरथी और संस्कृत के चार अध्याय पुस्तक भेंट की गई। वहीं उप मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री को शिवाजी सावंत की पुस्तक युगंधर भेंट की गई।

प्रतीकात्मक चेक देकर भरोसे का संदेश

लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य जिलों में भी अनुदेशकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। बढ़ा हुआ मानदेय पहले ही अनुदेशकों के खातों में भेज दिया गया है। कार्यक्रम में 14 अनुदेशकों को प्रतीकात्मक चेक देकर सरकार ने उनके प्रति अपने सहयोग और सम्मान का संदेश दिया।

इनमें गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, हमीरपुर, लखनऊ, अलीगढ़, उन्नाव और हरदोई के अनुदेशक शामिल रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के पास 'न्यूज और व्यूज' दोनों होते हैं। सरकार ने अनुदेशकों का मानदेय लगभग दोगुण बढ़ाया है और आगे भी उनके हित में काम किया जाएगा।

कहा कि वह स्वयं वकील हैं और शिक्षकों की पैरवी आगे भी करते रहेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री ने भी कहा कि अनुदेशकों ने कभी टकराव या विरोध का रास्ता नहीं अपनाया, इसलिए सरकार भविष्य में भी उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेती रहेगी।

लखनऊः राजू बनकर आमिर ने युवती से की दोस्ती, दुष्कर्म के बाद बनाया मतांतरण का दबाव और 25 हजार भी ऐंठे

(जीएनएस)।

लखनऊ। चिनहट इलाके में मुस्लिम युवक ने राजू नाम बताकर युवती को प्रेम जाल में फंसाया। फिर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करते हुए अश्लील वीडियो बना लिया। आरोपिक का धर्म पता चलने पर पीड़िता ने दूरी बनायी तो उसने ब्लैकमेल करते यौन शोषण किया।

शादी की बात करने पर मतांतरण करने का दबाव बनाया। इनकार पर वीडियो डिलीट करने के एवज में 25 हजार ऐंठ लिए। मुकरने पर पीड़िता ने विरोध किया तो परिवार संग मिलकर पीटा। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा के आदेश पर चिनहट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

यह है पूरा मामला

चिनहट निवासी 20 वर्षीय युवती ने बताया कि राजू शादी के नाम पर यौन शोषण करता रहा। इस दौरान

आरोपित ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। कुछ दिन बाद पीड़िता को पता चला कि आरोपित राजू मुस्लिम है। उसका असली नाम आमिर है। पीड़िता ने दूरी बनाने का प्रयास किया तो आरोपित ने दबाव बनाना शुरू कर दिया।

पीड़िता का वीडियो व फोटो मोबाइल पर दिखायी। ब्लैकमेल करते हुए उसने यौन शोषण का दबाव बनाया। पीड़िता ने शादी की बात कही तो आरोपित ने मतांतरण की बात कही। बोला कि मतांतरण करने पर निकाह कर लेगा। इनकार करते हुए पीड़िता ने वीडियो डिलीट करने की मांग की।

इसपर आरोपित ने 10 मई को उसे बुलाया। वीडियो डिलीट करने के एवज में 25 हजार रुपये की मांग की। व्यवस्था कर पीड़िता रुपये लेकर आरोपित के घर गयी। रुपये देने के बाद पीड़िता ने वीडियो डिलीट करने को कहा तो आरोपित ने उसकी पिटाई कर दी।

चीखपुकार मचने पर आरोपित के माता, पिता, भाई व बहन आए। गाली-गलौज करते हुए सभी ने पीड़िता को बेरहमी से पीटा। जिसमें वह चोटिल हो गयी। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि आरोपित की तलाश की जा रही है।

लखनऊ यूनिवर्सिटीः 37 केंद्रों पर होंगी एलएलबी की परीक्षाएं, परीक्षा नियंत्रक ने जारी की लिस्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड (पांच वर्षीय) पाठ्यक्रम की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। यह परीक्षाएं लखनऊ सहित संबद्ध पांच जिलों में बनाए गए 37 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी।

परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए 17 नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं। 37 परीक्षा केंद्रों पर 54 कालेजों के एलएलबी के छात्र-छात्राओं का केंद्र

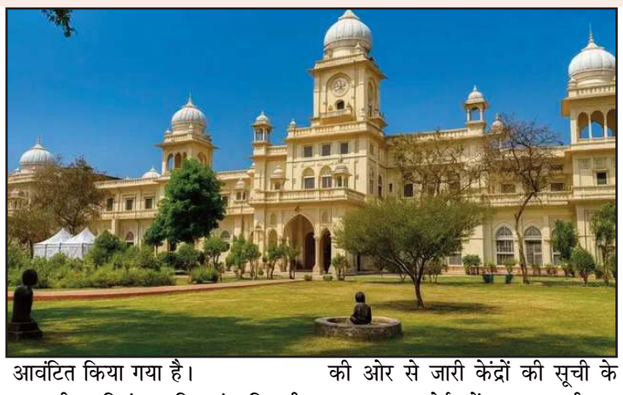

आवंटित किया गया है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी केंद्रों की सूची के अनुसार हरदोई में छह, लखीमपुर खीरी चार, रायबरेली दो, सीतापुर पांच और लखनऊ में 20 महाविद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। एलएलबी तीन वर्षीय छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 13 जून, चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 26 मई से 16 जून तक होंगी।

वहीं, एलएलबी इंटीग्रेटेड चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से 15 जून, छठे सेमेस्टर की 26 मई से 16 जून, इसके आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 30 मई से 16 जून और 10वें सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 मई से तीन जून तक होंगी।

लखनऊः शिया-सुन्नी चांद कमेटियों का बड़ा ऐलान, 27 मई नहीं इस तारीख को मनाई जाएगी बकरीद

(जीएनएस)।

लखनऊः शिया-सुन्नी चांद कमेटियों का बड़ा ऐलान, 27 मई नहीं इस तारीख को मनाई जाएगी बकरीद

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शिया-सुन्नी चांद कमेटियों ने जिल हिज्ज के चांद को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है. मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली और सैफ अब्बास ने किया ऐलान किया कि इस साल बकरीद 28 मई को मनाई जाएगी.

मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने बताया कि रविवार 17 मई को जिल हिज्ज का चांद नहीं दिखाई दिया है. ऐसे में 28 मई को ईद-उल-अजहा

(बकरीद) का त्योहार मनाया जाएगा.

मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने बताया कि 19 मई को ज़िल हिज्ज की पहली तारीख होगी. वहीं बकरीद को लेकर मुस्लिम समुदाय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं.

धर्मगरुओं ने लोगों से त्योहार को अमन, भाईचारे और सादगी के साथ मनाने की अपील की है. वहीं चांद के ऐलान के बाद मुस्लिम समुदाय में बकरीद की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शहर के बाजारों में खरीदारी बढने लगी है और कुबार्नी को लेकर लोग आवश्यक इंतजामों में जुट गए हैं.

बता दें कि बकरीद इस्लाम धर्म का प्रमख त्योहार माना जाता है, जिसे इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुबार्नी की याद में मनाया हजरत जाता है. इस मौके पर मूस्लिम समूदाय के लोग नमाज अद करने के बाद कुबार्नी करते हैं और गरीबों व जरूरतमंदों के बीच मांस तकसीम किया जाता है.

लखनऊ में पुराने हाईकोर्ट के पास अवैध कब्जा हटाने पर बवाल, वकीलों के हंगामे पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ के कैसरबाग पुराने हाईकोर्ट भवन के पास अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई, जिसका वकीलों ने विरोध किया और पुलिस ने उन्हें खदेड़ा।

(जीएनएस)।

लखनऊ। आज रविवार सुबह नौ बजे से कैसरबाग पुराने हाईकोर्ट भवन के चारों से अवैध कब्जों को हटाया जाने लगा। कार्रवाई के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन, पुलिस बल से खदेड़ा। हालांकि वकीलों का किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल का इंतजाम किया गया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हो रही है। जिसमे अधिकांश अवैध चैंबर वकीलों के ही है। हालांकि कोर्ट में नगर निगम ने 72 अवैध कब्जेदारों की सूची दी थी लेकिन बाद में हुए सर्वे में अवैध कब्जों की संख्या दो सौ के करीब पाई गई थी, जिसमें सुरेंद्र नाथ रोड पर 72, स्वास्थ भवन से बीएसएनएल भवन की दीवार से कलेक्ट्रेट चौराहे और चकबस्त रोड तक 47, राजस्व परिषद से स्वास्थ भवन तक 25 और नाले के ऊपर पचास से अधिक कब्जे थे।

हालांकि नगर निगम की तरफ से सोलह मई तक कब्जे हटाने की नोटिस देने और लाल निशान लगाने के कारण कई वकीलों ने चैंबर से जालियां हटा ली थी।

अवैध कब्जों को हटाने का दिया था आदेश

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और देवांशी की माता अरूणिमा श्रीवास्तव की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कचहरी रोड से अवैध कब्जों को हटाने का आदेश दिया था, लेकिन नगर निगम ने यह कहकर कोई कार्रवाई नहीं की थी कि पर्याप्त पुलिस बल के बिना अवैध कब्जों को हटाना संभव नहीं है।

अगली सुनवाई में कोर्ट ने जिला प्रशासन को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के साथ ही 25 मई को कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट भी तलब की है। याचिका में अवैध कब्जों की आड़ में हो रही अराजकता का जिक्र किया था।

'लिफ्ट में दो लड़कियों के सामने बुजुर्ग ने की सू-सू', डीएमआरसी ने लगाया जुमार्ना

(जीएनएस)।

दिल्ली मेट्रो से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई हैं। यहां कालकाजी स्टेशन पर एक बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा लिफ्ट के अंदर पेशाब करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। घटना के दौरान लिफ्ट में दो युवा महिलाएं भी मौजूद थीं, जिससे सार्वजनिक शालीनता, स्वच्छता और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर बहस छिड़ गई है।

वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (ऊटफ्ठ) और दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। बुजुर्ग पर ऊटफ्ठ एक्ट की धारा 59 के तहत जुमार्ना लगाया गया है। यह घटना 15 मई 2026 की रात करीब 9:40 बजे की बताई जा रही है। आइए विस्तार से जानें कैसे क्या हुआ?

सोशल मीडिया यूजर दीपशिखा मेहता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया। वीडियो में दिख रहा है कि कालकाजी मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट में प्रवेश करते ही एक बुजुर्ग व्यक्ति खुलेआम पेशाब कर रहा है। दीपशिखा ने प्लेटफॉर्म पर पहुंचकर व्यक्ति से सवाल किया तो उसने जवाब दिया, 'तुम कर लो जो करना है।' वीडियो लाखों बार देखा जा चुका है। इसमें दो युवा महिलाएं भी लिफ्ट में मौजूद दिख रही हैं, जो इस घटना से स्पष्ट रूप से असहज नजर आ रही हैं।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग व्यक्ति जामिया मिल्लिया इस्लामिया मेट्रो स्टेशन से फरीदाबाद जा रहा था। कालकाजी स्टेशन पर इंटरचेंज के दौरान उसे अचानक मेडिकल इमरजेंसी हुई। उसने शौचालय ढूंढने की कोशिश की, लेकिन समय पर सुविधा नहीं मिल सकी। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर उसने लिफ्ट के अंदर बोतल में पेशाब कर दिया।

DMRC की कार्रवाई, लगाया जुमार्ना

DMRC ने मामले की जानकारी मिलते ही तुरंत संज्ञान लिया। बुजुर्ग पर ऊटफ्ठ एक्ट सेक्शन 59 के तहत सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने का जुमार्ना लगाया गया।

DMRC ने एक बयान में कहा, 'मेट्रो परिसर की स्वच्छता और शालीनता बनाए रखना हर यात्री की जिम्मेदारी है। हम यात्रियों से अपील करते हैं कि वे ऐसी घटनाओं से बचें और सहयोग करें।' DMRC ने यह भी स्पष्ट किया कि स्टेशनों पर पर्याप्त शौचालय सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन बड़े इंटरचेंज स्टेशनों पर इन तक पहुंच आसान बनाना एक चुनौती बनी हुई है।

दीपशिखा मेहता का बयान

वीडियो वायरल होने के बाद दीपशिखा मेहता ने एक फॉलो-अप वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति को मेडिकल इमरजेंसी थी, तब भी सार्वजनिक जगह पर ऐसा व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने लिखा, 'मेरा मकसद किसी को शमिंदा करना नहीं, बल्कि सार्वजनिक परिवहन में स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता फैलाना है।' दीपशिखा ने बुजुर्गों के लिए एडल्ट डायपर जैसी सुविधाओं के उपयोग की भी सलाह दी।

स्वच्छता और सुविधाएं: वास्तविकता

दिल्ली मेट्रो रोजाना लाखों यात्रियों को सेवा देती है। DMRC ने पिछले वर्षों में स्वच्छता पर काफी ध्यान दिया है कि सैनिटाइजेशन, स्टाफ ट्रेनिंग और जागरूकता अभियान चलाए गए हैं। फिर भी कुछ स्टेशनों पर, खासकर पीक ऑवर्स में, शौचालयों तक पहुंच जटिल हो जाती है।

मेडिकल इमरजेंसी ५२ सार्वजनिक शालीनता

बुजुर्गों में मूत्र संबंधी समस्याएं (प्रोस्टेट, डायबिटीज आदि) आम हैं। अचानक इमरजेंसी में कंट्रोल छूटना स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन लिफ्ट जैसी बंद जगह में दो महिलाओं के सामने ऐसा करना शालीनता का उल्लंघन है।

समाधान के सुझावः

बुजुर्ग यात्रियों के लिए एडल्ट डायपर या पोर्टेबल सुविधाओं का प्रचार।

मेट्रो ऐप और स्टेशनों पर मेडिकल हेल्प डेस्क।

हर स्टेशन पर स्पष्ट साइनेज और शौचालयों की संख्या बढ़ाना।

जागरूकता अभियान, 'स्वच्छ मेट्रो, स्वस्थ यात्रा'।

कालकाजी मेट्रो लिफ्ट पेशाब कांड ने एक बार फिर सार्वजनिक शालीनता और स्वच्छता पर बहस छेड़ दी है। ऊटफ्ठ द्वारा जुमार्ना लगाना सही कदम है, लेकिन लंबे समय में समाधान सुविधाओं के विस्तार, जागरूकता और नागरिक शिक्षा में है।

दिल्ली बनेगी 'तंदूर'! अगले हफ्ते 45डिग्री तक पहुंचेगा पारा, आईएमडी ने दी भीषण चेतावनी

(जीएनएस)।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों में दिल्ली में गर्मी खतरनाक स्तर तक पहुंच सकती है और तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को छू सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सोमवार (17 मई) से राजधानी में लगातार हीटवेव जैसे हालात बनेंगे।

दिन का तापमान 43°C से 45°C के बीच रह सकता है, जबकि रात में भी राहत मिलने की उम्मीद कम है। न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली में अभी मई की शुरूआत वाली गर्मी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई थी कि अब उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म और सूखी हवाओं ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं। ऐसे में आने वाला सप्ताह लोगों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक हवा का पैटर्न अचानक बदल गया है। पहले जहां पूर्वी हवाएं कुछ नमी लेकर आ रही थीं, वहीं अब पाकिस्तान और राजस्थान की तरफ से उत्तर-पश्चिमी गर्म और शुष्क हवाएं दिल्ली की ओर बढ़ रही हैं।

स्काईमेट वेदर के अध्यक्ष महेश पलावत के मुताबिक यही वजह है कि तापमान तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ दिनों में लू चलने की पूरी संभावना है। इन हवाओं का असर सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भी तापमान तेजी से बढ़ सकता है।

आईएमडी ने यह भी कहा है कि दिन के समय 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं।

'हालात नहीं बदले तो करोड़ों लोग होंगे गरीब', पीएम मोदी की चेतवानी का क्या है मतलब? अब किस आपदा की हो रही बात?

(जीएनएस)।

दुनिया इस वक्त सिर्फ जंग नहीं, बल्कि एक साथ कई बड़े संकटों से गुजर रही है। कहीं तेल सप्लाई का खतरा है, कहीं महंगाई लोगों की कमर तोड़ रही है, तो कहीं अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड्स के हेग में ऐसा बयान दिया, जिसने वैश्विक हालात को लेकर नई बहस छेड़ दी। पीएम मोदी ने साफ कहा कि अगर दुनिया ने तेजी से हालात नहीं बदले, तो पिछले कई दशकों की उपलब्धियां खत्म हो सकती हैं और करोड़ों लोग फिर गरीबी में धकेले जा सकते हैं।

पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव, तेल संकट, महंगाई और सप्लाई चेन की दिक्कतों ने दुनिया भर की सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया लगातार नए संकटों का सामना कर रही है। पहले कोरोना महामारी आई, उसके बाद अलग-अलग हिस्सों में युद्ध शुरू हुए और अब ऊर्जा संकट पूरी दुनिया के सामने खड़ा है।

पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा दशक धीरे-धीरे "आपदाओं का दशक" बनता जा रहा है। अगर हालात को जल्दी नहीं बदला गया, तो कई देशों में गरीबी फिर तेजी से बढ़ सकती है। पीएम मोदी का यह बयान सीधे तौर पर उस वैश्विक माहौल की तरफ इशारा माना जा रहा है, जहां अमेरिका-ईरान तनाव और इजरायल-ईरान टकराव के कारण तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर खतरे की आशंका ने दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बना दिया है।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब भारत आगे बढ़ता है, तो उसका फायदा पूरी मानवता को मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा समय में दुनिया "रेजिलिएंट सप्लाई चेन" यानी भरोसेमंद और मजबूत सप्लाई नेटवर्क की बात कर रही है। इसी दिशा में भारत और नीदरलैंड मिलकर पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार सप्लाई चेन बनाने पर काम कर रहे हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि कोरोना महामारी के बाद दुनिया ने समझा कि किसी एक देश या क्षेत्र पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता खतरनाक हो सकती है। यही वजह है कि भारत अब ग्लोबल सप्लाई चेन में खुद को मजबूत विकल्प के तौर पर पेश कर रहा है।

गोरखपुर में हेलीकॉप्टर से दिखा कूड़े का ढेर, सीएम योगी ने जताई नाराजगी; नगर निगम में मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

गोरखपुर। सहजनवा दौरे पर जाते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर हेलीकॉप्टर से बरहुआ पावर हाउस के पास लगे कूड़े के ढेर पर पड़ गई। आसमान से दिखाई दे रहे कचरे के अंबार को देखकर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई।

इसके बाद नगर निगम प्रशासन में हड़कंप मच गया और तत्काल मौके पर सफाई टीम भेजकर कूड़ा हटवाया गया। साथ ही भविष्य में वहां दोबारा कूड़ा न डाले जाने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री की आपत्ति के बाद नगर आयुक्त स्तर पर मामले को गंभीरता से लिया गया। नगर निगम की टीम ने जेसीबी और वाहनों की मदद से पूरे क्षेत्र की सफाई कराई। कई ट्रॉली कूड़ा वहां से हटाकर निर्धारित डंपिंग स्थल तक पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, नगर निगम की कुछ कूड़ा गाड़ियां शहर से कचरा लेकर सहजनवां स्थित जीरो प्वाइंटर तक जाने के बजाय बीच रास्ते में ही कूड़ा गिरा देती थीं। बरहुआ पावर हाउस के पास का इलाका भी ऐसे ही अनधिकृत डंपिंग प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

कुछ चालक समय और ईंधन बचाने के लिए यहां कचरा गिराकर लौट जाते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले काफी समय से वहां कूड़े का ढेर बढ़ता जा रहा था। गर्मी और वर्षा के कारण क्षेत्र में दुर्गंध फैलने लगी थी। आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

केवल निगम की गाड़ियां ही नहीं, बल्कि आसपास के कुछ किसानों और ग्रामीणों की ओर से भी वहां कूड़ा और अपशिष्ट डाला जा रहा था। इससे धीरे-धीरे पूरा क्षेत्र अस्थायी कूड़ा घर में तब्दील हो गया था।

अब नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ऐसे स्थानों पर अनधिकृत रूप से कूड़ा गिराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित कर्मचारियों और वाहन चालकों की भी निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि शहर का कचरा केवल निर्धारित डंपिंग स्थल पर ही पहुंचाया जा सके।

बरहुआ पावर हाउस के पास जमा कूड़े को पूरी तरह हटवा दिया गया है। नगर निगम की ओर से यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में वहां दोबारा कूड़ा न फेंका जाए। इसके लिए संबंधित क्षेत्र के ग्राम प्रधान को भी जिम्मेदारी दी गई है और स्थानीय स्तर पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। -प्रमोद कुमार, अपर नगर आयुक्त।

नाइजीरिया के योबे राज्य में बीच ट्रेनिंग में घुसे आतंकी, लाशों से पट गया विशेष सैन्य बल का स्कूल, 17 की मौत

(जीएनएस)।

नाइजीरिया के योबे राज्य में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है। संदिग्ध इस्लामी चरमपंथियों ने सेना के एक स्पेशल ट्रेनिंग स्कूल को निशाना बनाया, जिसमें ट्रेनिंग ले रहे कम से कम 17 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इस हमले में कई सैनिकों के भी मारे जाने की खबर है।

दूसरी तरफ, एक बड़ी कामयाबी में अमेरिकी और नाइजीरियाई सेना ने मिलकर एक साझा ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में क्रूर के वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को ढेर कर दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति और नाइजीरियाई राष्ट्रपति ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है। सैन्य स्कूल पर बड़ा हमला

आतंकियों ने शुक्रवार को योबे राज्य के बुनी यादी में स्थित 'नाइजीरियाई सेना विशेष बल स्कूल' पर घात लगाकर हमला किया। पुलिस प्रवक्ता एंथनी ओकोन प्लेसिड के मुताबिक, आतंकियों ने ट्रेनिंग सेंटर

को चारों तरफ से घेरकर अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले के वक्त वहां पुलिस अधिकारी खास ऑपरेशनल ट्रेनिंग ले रहे थे।

भारी नुकसान और हताहत

इस अचानक हुए हमले में 17 पुलिस अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हमले में कई सेना के जवान भी शहीद हुए हैं, हालांकि सेना की तरफ से अभी तक मरे गए सैनिकों का सटीक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। नाइजीरियाई सेना ने इस घटना पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

ISIS कमांडर का खात्मा

पूर्वोत्तर के लेक चाड बेसिन इलाके में शनिवार सुबह एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाया गया। इस साझा मिशन में अमेरिकी और नाइजीरियाई सुरक्षाबलों ने क्रूर के दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे बड़े नेता अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मार गिराया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद तिनुबु ने संयुक्त रूप से इस कामयाबी का ऐलान किया।

नाइजीरिया में आतंक का इतिहास

नाइजीरिया के इस इलाके में हिंसा की शुरूआत 2009 में बोको हरम संगठन के उभार के साथ हुई थी। बाद में यह गुट आपस में बंट गया और इससे 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस' (ISWAP) नाम का नया आतंकी संगठन बना। मारा गया कमांडर अल-मिनुकी इसी संगठन से जुड़ा था, जो लगातार नाइजीरियाई सेना को निशाना बनाता रहा है।

80 मौतें-246 संदिग्ध केस, COVID के बाद नया संकट? खतरे में भारत? कौन से देश चपेट में?

(जीएनएस)।

मध्य अफ्रीका के लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (DRC) में एक नया और दुर्लभ ईबोला प्रकोप तेजी से फैल रहा है। अब तक 80 मौतें हो चुकी हैं और 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न (PHEIC) घोषित कर दिया है। यह उडश्क्रू-19 महामारी के बाद हल्ड की एक और बड़ी ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी है।

यह प्रकोप बुंडीबुग्यो स्ट्रेन का है, जिसके लिए कोई स्वीकृत टीका या स्पेसिफिक दवा उपलब्ध नहीं है। कांगो में यह 17वां ईबोला प्रकोप है, लेकिन इस स्ट्रेन का तीसरा बड़ा आउटब्रेक। हल्ड ने स्पष्ट किया कि यह अभी पैंडेमिक स्तर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन पड़ोसी देशों में फैलने का खतरा उच्च है। आइए जानते हैं इस वायरस के फैलने के कारण क्या-क्या हैं?

प्रकोप की शुरूआत और वर्तमान स्थिति

कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत में अप्रैल 2026 के अंत में यह प्रकोप शुरू हुआ। पहला संदिग्ध मामला एक नर्स का था, जिसकी 24 अप्रैल को मौत हो गई। शुरूआती लक्षण बुखार, शरीर दर्द, कमजोरी, उल्टी और कुछ मामलों में खून निकलना थे।

मुख्य आंकड़े (16 मई 2026 तक):

8 लैब-पुष्ट मामले

246 संदिग्ध मामले।

80 संदिग्ध मौतें

पुष्ट मौतों में स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल।

प्रकोप मुख्य रूप से मोंगवालू , रवामपारा और बुनिया स्वास्थ्य क्षेत्रों में केंद्रित है। कुछ मामले उत्तरी किवु प्रांत और राजधानी किंशासा (इतुरी से लगभग 1000 किमी दूर) तक पहुंच चुके हैं। यह फैलाव चिंताजनक है।

युगांडा में दो मामले रिपोर्ट हुए हैं, दोनों कांगो से आए यात्रियों में। एक व्यक्ति की कंपाला (कंपाला) में मौत हो गई। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देश भी अलर्ट पर हैं।

WHO की ढलएक्ड घोषणा: क्यों और क्या मतलब?

17 मई 2026 को WHO

डायरेक्टर-जनरल टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया। इसका मकसद:

अंतरराष्ट्रीय समन्वय बढ़ाना।

फंडिंग, विशेषज्ञ और संसाधन जुटाना।

पड़ोसी देशों में निगरानी मजबूत करना।

हल्ड ने सीमा बंद करने की सलाह नहीं दी, बल्कि स्क्रीनिंग, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और सुरक्षित दफन पर जोर दिया। यह महामारी की श्रेणी में नहीं आता, लेकिन क्षेत्रीय फैलाव का जोखिम अधिक है।

बुंडीबुग्यो स्ट्रेन: क्यों ज्यादा चिंताजनक?

कांगो में पहले ज्यादातर जायरे स्ट्रेन के मामले थे, जिनके लिए टीके और इलाज उपलब्ध हैं। बुंडीबुग्यो दुर्लभ है:

2007-08 में युगांडा में पहला आउटब्रेक (149 मामले, 37 मौतें)।

2012 में कांगो में दूसरा (57 मामले, 29 मौतें)।

मृत्यु दर लगभग 25-50% ट्रेंड में 50-90%)।

इस स्ट्रेन के लिए कोई वैक्सीन या स्पेसिफिक ट्रीटमेंट नहीं है, जिससे नियंत्रण मुश्किल हो गया है।

ईबोला वायरस क्या है? कैसे फैलता है और कितना खतरनाक?

ईबोला एक वायरल हेमोरेजिक फीवर है जो फिलोवायरस परिवार से संबंधित है। यह जानवरों (फल चमगादड़) से इंसानों में आया।

संक्रमण के तरीके:-

संक्रमित व्यक्ति के खून, उल्टी, मल, पेशाब, लार, पसीने या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों से सीधा संपर्क।

संक्रमित कपड़े, बिस्तर या मेडिकल उपकरण छूने से।

संक्रमित शव का अंतिम संस्कार करते समय।

जंगली जानवरों (बुशमीट) के संपर्क से।

नहीं फैलता: हवा, पानी या रोजमर्रा के स्पर्श से (जैसे COVID)।

लक्षण (2-21 दिनों में):

तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशी दर्द।

उल्टी, दस्त, पेट दर्द।

गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव, अंग फेल।

25-90% (स्ट्रेन और इलाज पर निर्भर)। जल्दी सपोर्टिव केयर (तरल पदार्थ, ऑक्सीजन) से बचाव संभव।

नोट: ईबोला से बचे व्यक्ति भी कुछ समय तक वायरस फैला सकते हैं (वीर्य आदि में)।

प्रभावित देश और क्षेत्र

मुख्य चपेट में:

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC): इतुरी प्रांत (मोंगवालू, रवामपारा, बुनिया), उत्तरी किवु, किंशासा।

युगांडा: कंपाला सहित (2 आयातित मामले)।

उच्च जोखिम: दक्षिण सूडान, रवांडा, बुरुंडी, तंजानिया (सीमा क्षेत्र)।

इतुरी सोने की खदानों वाला क्षेत्र है, जहां मजदूरों का लगातार आना-जाना होता है। यह प्रकोप को तेजी से फैलाने वाला कारक है।

पिछले प्रकोपों से सीख और वर्तमान प्रयास

कांगो ने 2014-16 (पश्चिम अफ्रीका) और 2018-20 (कांगो) जैसे बड़े प्रकोपों का सामना किया है। सफल रणनीतियां:

रिंग वैक्सीनेशन ट्रेंड स्ट्रेन के लिए)।

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग।

सुरक्षित दफन।

कम्युनिटी एंगेजमेंट।

वर्तमान में WHO, AfricÔ CDC, MSF आदि संगठन सक्रिय हैं। लेकिन बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के लिए नए टूल्स विकसित करने होंगे।

भारत को कितना खतरा?

भारत में सीधा खतरा कम है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा, व्यापार और अफ्रीकी छात्रों/कार्यकताओं के कारण सतर्कता जरूरी। हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग बढ़ाई जा सकती है।

COVID-19 सबक: जल्दी पता लगाना, पारदर्शिता और वैश्विक सहयोग महत्वपूर्ण।

सतर्कता और एकजुटता की जरूरत

यह ईबोला प्रकोप न सिर्फ कांगो और युगांडा की समस्या है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की परीक्षा है। बुंडीबुग्यो स्ट्रेन की अनोखी चुनौती के बीच WHO की PHEIC घोषणा समय पर है। COVID-19 ने सिखाया कि वायरस सीमाओं का सम्मान नहीं करते। अगर दुनिया एकजुट होकर काम करे, बेहतर निगरानी, रिसर्च, समुदाय भागीदारी और संसाधन वितरण तो इस प्रकोप को रोका जा सकता है। फिलहाल इतुरी के गांवों में दफन की प्रक्रिया जारी है, लेकिन उम्मीद भी है कि अंतरराष्ट्रीय प्रयास जल्द फल देंगे।

अब और स्मार्ट होगा अयोध्या हाईवे! लखनऊ से गोरखपुर तक लग रहे हैं 238 हाईटेक कैमरे, मिलेगी पल-पल की जानकारी

(जीएनएस)।

लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर हाईवे (ठल्ल-27) को सुरक्षित और जाम मुक्त बनाने के लिए ठल्लअक अत्याधुनिक एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (अळटर) लागू करने जा रहा है. राम मंदिर निर्माण के बाद बढ़े भारी ट्रैफिक को संभालने के लिए इस स्मार्ट हाईवे पर 238 हाईटेक कैमरे, 122 इमरजेंसी कॉल बॉक्स और रियल-टाइम अलर्ट सिस्टम लगाए जाएंगे. ओवरस्पीडिंग और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर अब डिजिटल कैमरों से पैनी नजर रखी जाएगी, जिससे सड़क हादसों में कमी आएगी. रामनवमी और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों पर भी श्रद्धालुओं को अब लंबे जाम से मुक्ति मिलेगी.

भव्य और दिव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या न सिर्फ देश, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक और पर्यटन केंद्रों में से एक बनकर उभरी है. हर दिन देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक रामनगरी पहुंच रहे हैं. लेकिन, आस्था के इस महासैलाब के कारण लखनऊ से अयोध्या होते हुए गोरखपुर तक जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (ठल्ल-27) पर गाड़ियों का दबाव और ट्रैफिक का बोझ कई गुना बढ़ गया है. बढ़ती भीड़, तेज रफ्तार (ओवरस्पीडिंग), आए दिन होने वाले एक्सीडेंट और त्योहारों के मौके पर लगने वाले लंबे जाम ने यात्रियों के साथ-साथ प्रशासन की भी चिंता बढ़ा दी थी.

बिना रुके पहुंचेंगे रामनगरी, लखनऊ-गोरखपुर हाईवे होगा स्मार्ट

अब इस गंभीर समस्या का पक्का और स्थाई इलाज ढूंढ लिया गया है. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठल्लअक) ने इस पूरे रूट को सुरक्षित और हाईटेक बनाने के लिए अपनी पूरी कमर कस ली है. दरअसल, एनएचएआई अब लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर पूरे कॉरिडोर को एक अत्याधुनिक 'स्मार्ट हाईवे' के रूप में विकसित करने जा रहा है, जिससे यात्रियों का सफर पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित, तेज और आरामदायक हो जाएगा.

क्या है एनएचएआई का पूरा मेगा प्लान?

इस हाईवे को स्मार्ट बनाने के लिए एनएचएआई यहां एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (अळटर) लागू करने जा रहा है. अधिकारियों का दावा है कि इस हाईटेक सिस्टम के चालू होने के बाद हाईवे की हर गतिविधि पर 24 घंटे और सातवें दिन नजर रखी जा सकेगी. इस तकनीक के आने से न केवल यात्रियों का सफर तेज और आरामदायक होगा, बल्कि सड़क हादसों और ट्रैफिक जाम पर भी पूरी तरह से लगाम कसी जा सकेगी.

अयोध्या के परियोजना निदेशक अवनीत सिद्धार्थ के मुताबिक, इस पूरे हाईवे नेटवर्क की निगरानी के लिए दो मुख्य एटीएमएस कंट्रोल सेंटर और एक सब-कंट्रोल सेंटर बनाया जाएगा. हाईवे पर कुछ भी होते ही जैसे कोई दुर्घटना, भारी जाम या किसी गाड़ी की तय सीमा से ज्यादा रफ्तार उसका अलर्ट तुरंत इन कंट्रोल सेंटर्स को मिल जाएगा, जिससे बिना वक्त गंवाए तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सकेगा.

तीसरी आंख का पहरा: चप्पे-चप्पे पर लगेंगे 238 हाईटेक कैमरे

इस नए सुरक्षा तंत्र के तहत पूरे हाईवे पर कुल 238 सीसीटीवी और पीटीजेड (ढळे) कैमरे लगाए जाएंगे. पीटीजेड कैमरे वो खास कैमरे होते हैं जिन्हें ऐप या कंट्रोल रूम से जरूरत के हिसाब से किसी भी दिशा में घुमाया (पैन, टिल्ट और जूम) जा सकता है. प्लान के मुताबिक, हाईवे के हर एक किलोमीटर पर कैमरे लगाए जाएंगे. इसके अलावा जो इलाके जंक्शन हैं, इंटरचेंज हैं या जहां हादसे ज्यादा होते हैं (ब्लैक स्पॉट), वहां अलग से अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे.

इतना ही नहीं, हाईवे पर हर 10 किलोमीटर की दूरी पर वीडियो इंसीडेंट डिटेक्शन सिस्टम और एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे. यह सिस्टम इतना एडवांस है कि जैसे ही कोई गाड़ी ओवरस्पीडिंग करेगी या ट्रैफिक नियमों को तोड़ेगी, यह अपने आप उस गाड़ी की पहचान कर कंट्रोल रूम को अलर्ट भेज देगा. इससे नियम तोड़ने वालों और लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों पर शिकंजा कसना बेहद आसान हो जाएगा.

यात्रियों की मदद के लिए लगेंगे 'डिजिटल बोर्ड' और 'इमरजेंसी बॉक्स'

सफर के दौरान यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए हाईवे पर 18 वेरिएबल मैसेज साइन (श्टर) बोर्ड यानी डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जा रहे हैं. इन बोर्ड्स की मदद से गाड़ी चलाने वालों को मौसम का हाल, आगे सड़क की स्थिति, कोई एक्सीडेंट या ट्रैफिक डायवर्जन होने की जानकारी रियल टाइम (तुरंत) मिलती रहेगी. इसके साथ ही, रफ्तार पर नजर रखने के लिए 24 स्पीड डिटेक्शन सिस्टम भी एक्टिव रहेंगे.

सबसे खास बात यह है कि हाईवे पर सफर कर रहे लोगों की सुरक्षा के लिए 122 इमरजेंसी कॉल बॉक्स स्थापित किए जाएंगे. अगर रास्ते में किसी की गाड़ी खराब होती है, कोई मेडिकल इमरजेंसी आती है या कोई अन्य हादसा होता है, तो यात्री इस बॉक्स के जरिए तुरंत मदद के लिए कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकेंगे.

त्योहारों के सीजन में नहीं लगेगा जाम

हम सब जानते हैं कि रामनवमी, दीपावली या अन्य बड़े त्योहारों के मौके पर अयोध्या की तरफ जाने वाले रास्तों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं. एनएचएआई का कहना है कि यह नया स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम ऐसे खास मौकों पर सबसे ज्यादा मददगार साबित होगा. अयोध्या-गोरखपुर खंड के डायवर्जन पॉइंट्स पर ही 52 विशेष ट्रैफिक उपकरण लगाए जा रहे हैं. इस तकनीक की मदद से त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले ट्रैफिक को पहले ही भांपकर रूट को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकेगा, जिससे श्रद्धालुओं को घंटों जाम में नहीं फंसना पड़ेगा.

अधिकारियों ने साफ किया है कि इस पूरी परियोजना का मकसद सिर्फ चालान काटना या निगरानी रखना नहीं है, बल्कि इसका असली उद्देश्य रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक सुरक्षित, सुखद और अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर देना है.

छात्रा से अश्लील बातचीत करने वाले एलयू के प्रोफेसर का कमरा सील, पुलिस ने मोबाइल-लैपटाप बरामद किया

लखनऊ विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर का ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्रोफेसर का कमरा सील कर दिया गया है।

(जीएनएस)।

लखनऊ: छात्रा को पेपर आउट करने का लालच देकर मोबाइल फोन पर अश्लील बातें करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का चैंबर सील कर दिया गया है। मामले की जांच पूरी कर ली गई है। लखनऊ विवि की आंतरिक शिकायत समिति सोमवार को होने वाली कार्य परिषद की आपात बैठक में जांच रिपोर्ट रखेगी। वहीं, प्रोफेसर के चैंबर से मोबाइल और लैपटाप को कब्जे में

लिया गया है।

शुक्रवार को बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा और जूलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह के बीच बातचीत के दो ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए थे, जिसमें प्रोफेसर छात्रा से कह रहे हैं कि दो पेपर लीक करवा दिए हैं, आकर मुझसे मिलो। ऑडियो वायरल होते ही हड़कंप मच गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आनन-फानन में शिक्षक के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को जूलॉजी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर के कमरों की तलाशी ली। मोबाइल और लैपटाप अपने कब्जे में लिया है। पुलिस का दावा है कि इनसे काफी सबूत मिलेंगे। साथ ही कमरे को सील कर दिया है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

उधर, विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी के निर्देश पर आंतरिक शिकायत समिति (कउउ) ने मामले की जांच शनिवार को पूरी कर ली है। पर, अभी जांच रिपोर्ट कुलपति को नहीं सौंपी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि जांच पूरी कर ली गई है। जिसको सोमवार को कार्यकारी परिषद के आकस्मिक बैठक में रखी जाएगी। इसके बाद प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में 25 गिद्धों की मौत का खुला राज, 'कार्बोफ्यूरान' निकला कातिल

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में अप्रैल 2026 में हुई 25 गिद्धों की सामूहिक मौत का रहस्य सुलझ गया है। बरेली स्थित इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (IVRI) की लैब रिपोर्ट ने पुष्टि कर दी है कि मौत का कारण कार्बोफ्यूरान नाम का अत्यंत विषैला कीटनाशक है, जिसे स्थानीय स्तर पर फ्यूराडान के नाम से जाना जाता है। यह घटना वन्यजीव संरक्षण के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है क्योंकि गिद्ध लुप्तप्राय प्रजाति हैं और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण सफाईकर्मी माने जाते हैं।

7 अप्रैल 2026 को लखीमपुर खीरी जिले के भीरा रेंज अंतर्गत सेमराई (या सिमरिया) गांव के खेतों में 25 गिद्धों और कई कुत्तों के शव बरामद किए गए थे। कुछ गिद्धों को जिंदा लेकिन बेहोशी की हालत में बचाया गया। अब क्रफ्क रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि यह सेकेंडरी पॉइजनिंग (दूसरे स्तर का जहर) का मामला था।

IVRI Report क्या कहती है?

IVRI के वैज्ञानिकों ने गिद्धों, कुत्तों के अंदरूनी अंगों और घटनास्थल से बरामद चावल के नमूनों का विष-विश्लेषण किया। रिपोर्ट में पाया गया कि सभी नमूनों में कार्बोफ्यूरान की

घातक मात्रा मौजूद थी।

दुधवा बफर जोन की उप निदेशक कीर्ति चौधरी ने रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कहा, 'हमारा शुरूआती शक सेकेंडरी पॉइजनिंग का था, IVRI रिपोर्ट ने उसे साबित कर दिया। नमूनों में कार्बोफ्यूरान पाया गया जो गिद्धों की मौत का मुख्य कारण है।'

पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दया शंकर ने बताया कि शवों में कोई संक्रमण या बैक्टीरिया नहीं मिला, जबकि कार्बोफ्यूरान की मात्रा अत्यधिक थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट रिपोर्ट और लैब टेस्ट दोनों ने जहर की पुष्टि की।

कार्बोफ्यूरान एक काबार्मेट समूह का कीटनाशक है जो फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह बेहद तेज असर वाला जहर है, इतना कि छोटी मात्रा भी पक्षियों, स्तनधारियों और यहां तक कि इंसानों के लिए घातक साबित हो सकती है।

भारत में इसकी बिक्री और उपयोग पर कई प्रतिबंध हैं, फिर भी ग्रामीण इलाकों में अवैध रूप से उपलब्ध है। किसान अक्सर इसे चावल या अन्य चारे में मिलाकर आवारा कुत्तों या जंगली जानवरों को मारने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ कि जहर मिला चारा कुत्तों ने खाया, उनके शवों को गिद्धों ने खाया और वे भी मारे गए।

घटना का क्रम को समझें..

7 अप्रैल: गांववासी ने खेत में गिद्धों को गिरते और मरते देखा।

वन विभाग की टीम पहुंची, शव बरामद किए।

6 गिद्धों को बचाया गया (उनका इलाज चल रहा था)।

नमूने IVRI भेजे गए।

मई 2026 में रिपोर्ट आई, कार्बोफ्यूरान पुष्टि।

संजय पाठक (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण में सदस्य सचिव) और बहराइच DFO सुंदरेश की टीम ने गांववालों और कीटनाशक विक्रेताओं से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में भी शक्तिशाली कीटनाशक का शक जताया गया था।

गिद्ध भारत के 'प्राकृतिक सफाईकर्मी' हैं। एक गिद्ध प्रति दिन 1 किलो से ज्यादा सड़ते मांस खा सकता है। वे जानवरों की लाशों को साफ करके बीमारियां (जैसे एंथ्रेक्स, प्लेग) फैलने से रोकते हैं। 1990 के दशक में भारत में गिद्धों की संख्या में 99% की गिरावट आई थी, मुख्य कारण था- 'डाइक्लोफेनाक (पशुओं की दवा)'।

हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध बड़े आकार के होते हैं और हिमालय से तराई क्षेत्रों में आते हैं।